

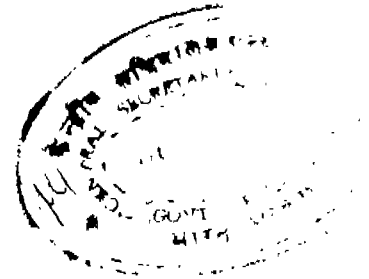


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 18] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 6, 1995/पौष 16, 1916  
No. 18] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 6, 1995/PAUSA 16, 1916

रसायन और उर्वरक मंत्रालय  
(रसायन और पेट्रोरसायन विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1995

का. आ. 18(अ).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम औषधि (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1995 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं :—उस आदेश में, जब तक कि सन्दर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “प्रपुंज औषधि” से, औषधि और प्रमाणन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की द्वितीय सूची के अधीन विनिर्दिष्ट औषधि संग्रह या अन्य मानकों के अनुरूप कोई भैषजिक, रासायनिक,

जैव या वनस्पति उत्पाद अभिप्रेत है, जिसके अन्तर्गत इसके लवण, ईस्टर स्टीरियो-आइसोमर और व्युत्पन्न भी हैं, जिनका प्रयोग उसी रूप में या किसी विनिमिति में संघटक के रूप में किया जाता है;

(ख) “लगाई गई पूंजी” से प्रपुंज औषधि के विनिर्माण के संबंध में किसी विनिर्माता की कामकाज पूंजी सहित शुद्ध स्थिर आस्तियां अभिप्रेत हैं;

(ग) “अधिकतम कीमत” से ऐसी कोई कीमत अभिप्रेत है, जो सरकार ने पैरा 9 के उपबंधों के अनुसार अनुसूचित विनिर्मितियों के लिए नियत की है;

(घ) “व्यवहारी” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो थोक या फुटकर में तथा किसी अन्य कारबार के साथ या उसके बिना, औषधियों के क्रय या विपणन का कारबार करता है और इसके अन्तर्गत उसका अभिकर्ता भी है;

(ङ) “वितरक” से ऐसा कोई औषधि वितरक या उसका अभिकर्ता या स्टॉकिस्ट अभिप्रेत है जिसे, किसी व्यवहारी को उनका विक्रय करने के लिए स्टॉक

करने के लिए ऐसी औषधियों के विनिर्माता या आयातकर्ता द्वारा नियुक्त किया गया है ;

(च) "औषधि" के अन्तर्गत :—

(i) मनुष्यों या जीवजंतुओं के आंतरिक या बाह्य प्रयोग के लिए सभी औषधियां और ऐसे सभी पदार्थ हैं जो मनुष्यों या जीवजंतुओं के किसी रोग या विकार के निदान, इलाज, शमन या उनसे बचाव के लिए प्रयोग किए जाने के लिए आशयित हैं, जिसके अन्तर्गत मच्छर जैसे कीटाणुओं के निवारण के प्रयोजन के लिए मानव शरीर पर प्रयुक्त की जाने वाली निर्मितियां भी हैं ;

(ii) ऐसे पदार्थ हैं, जो सरकार द्वारा समय-समय पर राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाते हैं और मनुष्यों या जीवजंतुओं के शरीर की संरचना या किसी कार्य को प्रभावित करने के लिए आशयित हैं या पीड़क जंतुओं या कीटाणुओं को नाश करने के लिए आवश्यक हैं, जो मनुष्यों या जीवजंतुओं में रोग उत्पन्न करते हैं, और

(iii) प्रपुंज औषधियां और विनिर्मितियां ;

(छ) "प्ररूप" से दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्ररूप अभिप्रेत है ;

(ज) "विनिर्मिति" से किसी भौषजिकी की सहायता से या उसके बिना मनुष्यों या जीवजंतुओं के रोगों में आंतरिक या बाह्य प्रयोग के लिए या उसके निदान, इलाज, शमन या उनसे बचाव के लिए एक या अधिक प्रपुंज औषधियों से मिलाकर तैयार की गई औषधि अभिप्रेत है, किन्तु इसके अन्तर्गत निम्नलिखित नहीं हैं, अर्थात् :—

(i) कोई औषधि जिसके अन्तर्गत आयुर्वेदिक प्रणाली (जिसके अन्तर्गत सिद्ध भी है) या यूनानी (निब्व) प्रणाली की कोई मद्भाविक औषधि भी है ;

(ii) होमियोपैथिक प्रणाली की कोई औषधि ;

(iii) ऐसा कोई पदार्थ, जिसे औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) के उपबंध लागू नहीं होते ;

(झ) "मुपत आरक्षिति" से लाभों के विनियोजन द्वारा मजिन कोई आरक्षिति अभिप्रेत है, किन्तु इसके अन्तर्गत आकस्मिक दायित्व, विवादग्रस्त दावे, गुडविल, पुनर्मुन्यन और ऐसी ही अन्य आरक्षितियों के लिए उपबंधित आरक्षितियां नहीं हैं ;

(ञ) "सरकार" से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है ;

(ट) "आयात" से, इसके व्याकरणिक रूपभेदों और सजातीय पदों सहित भारत के बाहर किसी स्थान से भारत में लाता अभिप्रेत है, और किसी भी समय किन्हीं वस्तुओं के आयात और उपभोग के दौरान उनके संबंध में, "आयातकर्ता" के अन्तर्गत कोई स्वामी या कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अपने आपको आयातकर्ता घोषित करे ;

(ठ) किसी औषधि के संबंध में "विनिर्माण" के अन्तर्गत है ऐसी कोई प्रक्रिया या उमका कोई भाग जो किसी औषधि के विषय और वितरण को ध्यान में रखते हुए, उसके बनाए जाने, परिवर्तित किए जाने, परिष्कृत किए जाने, पैक किए जाने, उम पर लेबल लगाए जाने, उसको विप्रेषित किए जाने या अन्यथा उसके अभिक्रियागत या अंगीकार किए जाने के लिए की जाती है, किन्तु इसके अन्तर्गत किसी औषधि का अभिप्रेत या तुलना बनाना या फुटकर कारखाने के साधारण अनुक्रम में उमका पैक किया जाना नहीं है, और "विनिर्माण करना" का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा ;

(ड) "विनिर्माता" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है, जो किसी औषधि का विनिर्माण करता है ;

(ढ) "शुद्ध मालियत" से किसी कंपनी की खली आरक्षिति, यदि कोई हो, और अधिगेष सहित, जिसमें बाहर किये गये विनिर्माण जो कार्यकलाप कार्यान्वयन के लिये इस समय उपलब्ध नहीं हैं, सम्मिलित नहीं है, समादत्त पूंजी अभिप्रेत है ;

(प) "गैर-अनुसूचित प्रपुंज औषधि" से पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट न की गई प्रपुंज औषधि अभिप्रेत है ;

(न) "गैर-अनुसूचित विनिर्मिति" से ऐसी कोई विनिर्मिति अभिप्रेत है, जिसमें पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट कोई प्रपुंज औषधि सम्मिलित नहीं है ;

(थ) "कर-पूर्व विवरणी" से आय-कर और अतिकर के संदाय से पूर्ववर्ती लाभ अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत ऐसे अन्य व्यय भी सम्मिलित हैं जो विनिर्मिति की लागत के भाग रूप नहीं हैं ;

(द) "कीमत सूची" से पैरा 14 और पैरा 15 में निर्दिष्ट कीमती सूची, अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत पूरक कीमत सूची भी है ;

(ध) "फुटकर कीमत" से उग आदेश के उपबन्धों के अनुसार किसी औषधि की तय या निपत की गई फुटकर कीमत अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत अधिकतम कीमत भी है ;

(न) "फुटकर विक्रेता" से ऐसा व्यवहारी अभिप्रेत है जो ग्राहकों को औषधियों के फुटकर विक्रय का कारबार करता है ;